

टूर संदर्भ
LK9GKFPMHG

रामायण ट्रेल (6 दिन)

6 दिन · 5 रातें | ड्राइवर-गाइड के साथ निजी टूर

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं

इस अनुभव के बारे में

यह छह दिवसीय दौरा श्रीलंका भर में रामायण किंवदंती का अनुसरण करता है, राम, सीता, रावण और हनुमान से जुड़ी साइटों को जोड़ता है जो पहाड़ी क्षेत्र से दक्षिणी तट तक फैली हुई हैं। यह Lakpura® चालक-गाइड के साथ एक निजी वातानुकूलित वाहन द्वारा चलाया जाता है, कोलंबो हवाई अड्डे से शुरू होकर कांडी, नुवरा एलिया, एला, यला, कतारागामा और गले के माध्यम से यात्रा करते हुए हवाई अड्डे पर लौटता है।

यात्री मंदिरों, प्राकृतिक स्थलों और वन्यजीव क्षेत्रों के बीच घूमते हैं जो महाकाव्य से जुड़े हैं, जिनमें नुवरा एलिया के पास सीता अम्मन और दिवुरुम्पोला मंदिर, एला में रावण जलप्रपात, उस्सांगोडा में बंजर पठार और गले में रामायण से जुड़ी रुमस्सल पहाड़ी शामिल हैं। पौराणिक मार्ग के अलावा, यात्रा कार्यक्रम कांडी में पवित्र दाँत अवशेष मंदिर, एक कांडियन सांस्कृतिक नृत्य प्रदर्शन, यला राष्ट्रीय उद्यान में जीप सफारी, कतारागामा मंदिर और गले किले के पैदल दौरे को भी शामिल करता है।

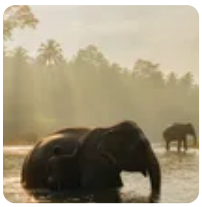
यह मार्ग सांस्कृतिक स्थलों, मंदिरों और एक राष्ट्रीय उद्यान सफारी को जोड़ता है, जो रामायण की कहानी के माध्यम से दक्षिणी और मध्य श्रीलंका का एक अवलोकन देता है जबकि देश के कुछ बेहतर ज्ञात विरासत और वन्यजीव आकर्षणों को भी कवर करता है।



दिन-दर-दिन यात्रा कार्यक्रम

दिन 1 एयरपोर्ट → पिन्नावाला → कैंडी

कोलंबो एयरपोर्ट पहुँचने पर आपका स्वागत एक Lakpura चालक-गाइड द्वारा किया जाएगा, जो आपको कैंडी ले जाएगा, जहाँ शाम के सांस्कृतिक कार्यक्रम से पहले आराम करने का समय मिलेगा।



मिलेनियम एलिफेंट फाउंडेशन

पिन्नावाला के पास स्थित एक परिवार-संचालित संस्था, जो घरेलू हाथियों की देखभाल के लिए समर्पित है और हाथी की सवारी के विकल्प के रूप में एक नैतिक, नज़दीकी "एलिफेंट वॉक एक्सपीरियंस" प्रदान करती है।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं



कैंडी सांस्कृतिक कार्यक्रम

एक घंटे की शाम की प्रस्तुति जिसमें श्रीलंका के पारंपरिक नृत्य शामिल हैं, जैसे अग्नि नर्तक, तलवार नर्तक और कैंडियन नर्तक, जो ढोल की थाप पर प्रस्तुति देते हैं।

Arian Zwegers · CC BY 2.0

दिन 2 कैंडी → नुवारा एलिया

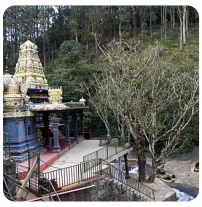
कैंडी से चेक-आउट करने के बाद, आज का दिन शहर के सबसे पवित्र बौद्ध स्थल की यात्रा से शुरू होता है, फिर पहाड़ी क्षेत्र में रामायण से जुड़े स्थानों की ओर बढ़ता है, और शाम को एला के लिए आगे प्रस्थान करता है।



श्री दलदा मालिगावा (पवित्र दंत अवशेष मंदिर)

16वीं शताब्दी में भगवान बुद्ध के पवित्र दंत अवशेष को रखने और सुरक्षित रखने के लिए बनाया गया एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, जिसमें सुंदर चित्रित हॉल और नक्काशीदार स्तंभ हैं।

A.Savin · FAL



सीता अम्मन मंदिर

हक्गला वनस्पति उद्यान के पास स्थित यह मंदिर राम और सीता की कहानी को दर्शाती मूर्तियों और चित्रों से सुसज्जित है, और उसी स्थान पर बना है जहाँ माना जाता है कि सीता को बंदी बनाकर रखा गया था।

Buddhika Mawella · CC BY-SA 3.0



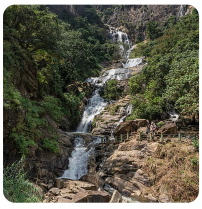
दिवुरुम्पोला मंदिर

वह स्थान जहाँ माना जाता है कि सीता ने राम के प्रति अपनी पवित्रता साबित करने के लिए अग्नि परीक्षा दी थी, और जहाँ आज भी स्थानीय लोग शपथ लेने आते हैं।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं

दिन 3 एला → याला

चेक-आउट के बाद, दिन में रामायण की कथा से जुड़े एक जलप्रपात की यात्रा की जाती है, इसके बाद याला की ओर आगे बढ़ा जाता है।



रावण जलप्रपात

पहाड़ी क्षेत्र में स्थित एक जलप्रपात, जिसका नाम राजा रावण के नाम पर रखा गया है, जिसने कथा के अनुसार अपहृत राजकुमारी सीता को इस जलप्रपात के पीछे की एक गुफा में छिपाया था, और माना जाता है कि राम की पत्नी ने नीचे के कुंड में स्नान किया था।

A.Savin · FAL

दिन 4 याला → कटारगामा → याला

दिन की शुरुआत याला राष्ट्रीय उद्यान में सुबह की सफारी से होती है, इसके बाद शाम को एक प्रमुख क्षेत्रीय मंदिर की यात्रा की जाती है, फिर होटल लौटा जाता है।



याला राष्ट्रीय उद्यान

श्रीलंका के दूसरे सबसे बड़े राष्ट्रीय उद्यान में तीन घंटे की जीप सफारी, जिसमें विभिन्न वन्यजीवों के बीच तेंदुए, जंगली जल भैंस, स्लॉथ बियर और हाथियों को देखने का अवसर मिलता है।

Ranmith Welikala · CC BY-SA 4.0



कटारगामा मंदिर

भगवान कार्तिकेय सुब्रमण्यम को समर्पित एक मंदिर, जो कथा के अनुसार रामायण युद्ध के दौरान रावण के अस्त्र से राम की रक्षा करने से जुड़ा है, जहाँ प्रतिदिन फल और धूप की पूजा चढ़ाई जाती है।

Ghostface Buddha · CC BY-SA 2.0

दिन 5 याला → उसंगोडा → रुमासाला → गॉल

यह यात्रा याला से दक्षिणी तट की ओर बढ़ती है, जिसमें हनुमान से जुड़े एक बंजर तटीय स्थल का भ्रमण किया जाता है, इसके बाद गॉल पहुँचकर उसी कथा से जुड़ी एक चट्टान और पुराने किले में घूमने का कार्यक्रम होता है।



उसंगोडा

एक पेड़रहित तटीय पठार, जिसकी विषैली सर्पीन मिट्टी के बारे में रामायण की कथा में कहा जाता है कि यह हनुमान की जलती पूँछ से झुलसी थी, और इसे रावण के उड़नखटोले के उतरने के स्थान से भी जोड़ा जाता है।

A.Savin · FAL



रुमासाला

उनावातुना के पास एक पहाड़ी, जिसके शीर्ष पर एक श्वेत बौद्ध स्तूप (दागोबा) है, माना जाता है कि यह हिमालय के द्रोणागिरि पर्वत का एक टुकड़ा है जिसे हनुमान ने गिरा दिया था, और कहा जाता है कि यहाँ एक समय सीता ने शरण ली थी।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं



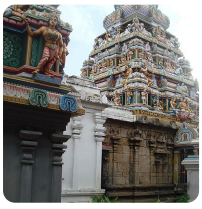
गॉल किला

पुर्तगाली और डच शासन के दौरान निर्मित एक सुसंरक्षित किलेबंदी, जिसमें संग्रहालय, एक प्रकाश स्तंभ और घूमने के लिए पत्थर से बनी गलियाँ हैं, जिन्हें पैदल यात्रा के दौरान देखा जा सकता है।

Rovin Shanila · CC BY-SA 4.0

दिन 6 गॉल → चिलाव → बीआईए

अंतिम दिन गॉल से चिलाव की यात्रा की जाती है, जहाँ एक हिंदू मंदिर का दर्शन करने के बाद एयरपोर्ट की ओर प्रस्थान किया जाता है।



मुन्नेश्वरम मंदिर

शिव को समर्पित एक प्राचीन क्षेत्रीय हिंदू मंदिर परिसर, जो कथाओं में रामायण और उसके नायक-राजा राम से जुड़ा हुआ है।

Leon Meerson · CC BY-SA 2.0

क्या शामिल है

शामिल है

- Transport in a Private Vehicle, inclusive of all chauffer accommodation, cost of fuel, parking & highway tolls.
- Service of an English-Speaking Chauffeur Guide throughout the tour.
- All prevailing taxes and service charges, but subject to change at the time of booking.

शामिल नहीं है

- Hotel Accommodation and Meals.
- Entrance Fees.
- Chauffeur Guide's Accommodation.
- Expenses of personal nature.
- Visa and Related Expenses.